



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

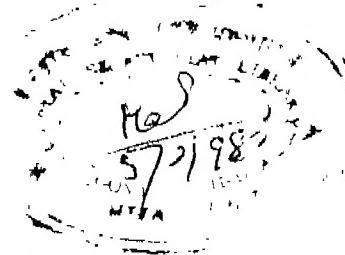
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड ( ii )

PART II—Section—3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 656 ]  
No. 656]नई दिल्ली, शुक्रवार नवम्बर 28, 1997/अग्रहायण 7, 1919  
NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 28, 1997/AGRAHAYANA 7, 1919

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूँजी बाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1997

का.आ. 806( अ ).—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 ( 1882 का 2 ) की धारा 20 के खण्ड ( च ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतदद्वारा उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए प्रतिभूतियों के रूप में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 ( 1964 का 18 ) की धारा 3 के तहत नियमित भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, मुम्बई द्वारा जारी किए जाने वाले 750 करोड़ रुपए के कुल मूल्य के, 750 करोड़ रुपए का अत्यधिदान रखने के विकल्प सहित, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक फ्लोकसी बांड 3 को जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं :—

- (i) आधारछांचा बांड
- (ii) अत्यधिक बट्टा बांड
- (iii) बढ़ता व्याज बांड
- (iv) नियमित आय बांड

अप्रतिभूत बांड के रूप में प्राधिकृत करती है।

[फा. सं. 6/21/सी.एम./97]

यू. शरत चन्द्रन, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Economic Affairs)****(CAPITAL MARKET DIVISION)****NOTIFICATION****New Delhi, the 28th November, 1997**

**S.O. 806(E).**—In exercise of the powers conferred by clause (f) of Section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the IDBI Flexibonds 3 comprising :—

- (i) Infrastructure Bonds
- (ii) Deep Discount Bonds
- (iii) Growing Interest Bonds
- (iv) Regular Income Bonds

being unsecured bonds of the aggregate value of rupees 750 crore with an option to retain over subscription upto rupees 750 crore to be issued by the Industrial Development Bank of India, Mumbai, incorporated under Section 3 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), as securities for the purpose of the said section.

[F.No. 6/21/CM/97]

U. SARAT CHANDRAN, Jt. Secy.